MTTP-003

अनुवाद एवं रूपांतरण में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.ए.आर)
Anuvaad evam Rupantaran mein Snatakottar Pramanpatra (PGCAR)

परियोजना कार्य निर्देशिका

अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

यह मार्गदर्शिका विद्यार्थियों को अनुवाद परियोजना कार्य को भली–भाँति समझने एवं इसके निष्पादन के लिए सहायक होगी। इसलिए यह आवश्यक है कि आप अनुवाद परियोजना कार्य शुरू करने से पहले इसका ध्यानपूर्वक अध्ययन कर लें। मार्गदर्शिका में अनुवाद परियोजना कार्य की संकल्पना, अनुवाद परियोजना कार्य का निष्पादन तथा उसकी प्रस्तुति से संबंधित जानकारियाँ दी गई हैं। इसके अतिरिक्त अनुवाद परियोजना कार्य के साथ संलग्न किए जाने वाले परिशिष्टों का विवरण भी दिया गया है। अनुवाद परियोजना कार्य संबंधी प्रस्ताव तथा उसकी औपचारिकताओं की क्रमवार जानकारी भी आपको इस मार्गदर्शिका में मिलेगी।

अनुवाद–रूपांतरण परियोजना कार्य निर्देशिका निर्माण

डॉ. ज्योति चावला, कार्यक्रम समन्वयिका
अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
नई दिल्ली

सामग्री निर्माण

जनवरी, 2022

©*इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, 2022*

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस कार्य का कोई भी अंश इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की लिखित अनुमति लिए बिना मिमियोग्राफ अथवा किसी अन्य साधन से पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के विषय में और अधिक जानकारी विश्वविद्यालय के कार्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068 से प्राप्त की जा सकती है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ के लिए प्रो. राजेंद्र प्रसाद पांडेय, निदेशक, अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ एवं प्रो. एम.एस. राजू, कुलसचिव, सामग्री निर्माण एवं वितरण प्रभाग, एम.पी.डी.डी, इग्नू, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित और प्रकाशित।

लेजरटाइप सेटिंग :

मुद्रक :

विषयक्रम

1. अनुवाद–रूपांतरण परियोजना कार्य : सामान्य परिचय

2. अनुवाद–रूपांतरण परियोजना कार्य निष्पादन : विभिन्न चरण

   2.1 पहला चरण : परियोजना प्रस्ताव का निर्माण और प्रस्तुति

   2.2 दूसरा चरण : अनुमोदित परियोजना कार्य का कार्यान्वयन
   (क) अनुवाद–रूपांतरण कार्य करने का तरीका
   (ख) अनुवाद–रूपांतरण की प्रक्रिया पर टिप्पणी लेखन

   2.3 तीसरा चरण : अनुवाद–रूपांतरण परियोजना की मूल्यांकन हेतु प्रस्तुति

3. परियोजना कार्य का प्रस्तुति–क्रम

4. अनुवाद–रूपांतरण परियोजना मूल्यांकन

अनुवाद एवं रूपांतरण में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.ए.आर)
Anuvaad evam Rupantaran mein Snatakottar Pramanpatra (PGCAR)

1. अनुवाद–रूपांतरण परियोजना कार्य : सामान्य परिचय

जैसा कि आपको 'कार्यक्रम दर्शिका' में बताया गया है कि अनुवाद एवं रूपांतरण में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम के अंतर्गत 4 क्रेडिट का परियोजना कार्य (एम.टी.टी.पी.–003) शामिल है। यह पाठ्यक्रम सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है तथा इस कार्य को पूर्ण करके परियोजना रिपोर्ट के रूप में विश्वविद्यालय को मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करना होगा।

यह मार्गदर्शिका विद्यार्थियों को अनुवाद–रूपांतरण परियोजना कार्य को भली–भाँति समझने एवं इसके निष्पादन के लिए सहायक होगी। इसलिए यह आवश्यक है कि आप अनुवाद–रूपांतरण परियोजना कार्य शुरू करने से पहले इसका ध्यानपूर्वक अध्ययन कर लें। मार्गदर्शिका में अनुवाद–रूपांतरण परियोजना कार्य की संकल्पना, अनुवाद–रूपांतरण परियोजना कार्य का निष्पादन तथा उसकी प्रस्तुति से संबंधित जानकारियाँ दी गई हैं। इसके अतिरिक्त, अनुवाद–रूपांतरण परियोजना कार्य के साथ संलग्न किए जाने वाले परिशिष्टों का विवरण भी दिया गया है। अनुवाद–रूपांतरण परियोजना कार्य संबंधी प्रस्ताव तथा उसकी औपचारिकताओं की क्रमवार जानकारी भी आपको इस मार्गदर्शिका में मिलेगी।

इस स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम के द्वारा आपको अनुवाद एवं रूपांतरण संबंधी शिक्षण–प्रशिक्षण देने की दृष्टि से एक स्वतंत्र पाठ्यक्रम के रूप में इस परियोजना कार्य को भी शामिल किया गया है। इस परियोजना कार्य का संबंध मूलतः 'अनुवाद' एवं 'रूपांतरण' दोनों से ही है। इस परियोजना कार्य के अंतर्गत आपको एक विषय का चयन करके अपने सैद्धांतिक पाठ्यक्रमों एवं व्यावहारिक अध्ययन के आधार पर उस चयनित विषय से संबंधित पाठ का रूपांतरण करके प्रस्तुत करना होगा। इसके अलावा, आपको अपने इस व्यावहारिक अनुभव के आलोक में एक संक्षिप्त टिप्पणी भी लिखकर प्रस्तुत करनी होगी। इस तरह, आप इस एम.टी.टी.पी–003 पाठ्यक्रम के जरिए अनुवाद व्यवहार के साथ–साथ रूपांतरण संबंधी अपनी क्षमता का परिचय दे सकेंगे।

इस पाठ्यक्रम को अपने अध्ययन के कुल छह महीनों के अंतर्गत पूरा करना होगा। इसलिए आपको परियोजना कार्य के लिए पर्याप्त समय देना चाहिए। पाठ चयन करते समय जब आप प्रस्ताव विद्यापीठ को भेजें तो यह सुनिश्चित कर लें कि **प्रस्तावित पाठ के आधार पर 3 से 4 हजार शब्दों का रूपांतरण कार्य करना होगा। अर्थात, आपको पाठ का चयन करते समय इस बात का ध्यान रखना है कि जिस पाठ का चयन आप कर रहे हैं उस पाठ के आधार पर तैयार रूपांतरण अथवा पटकथा 3 से 4 हज़ार शब्दों की हो। उदाहरण के लिए, यदि आप उपन्यास के किसी अंश का चयन कहानी रूपांतरण अथवा पटकथा लेखन के लिए करते हैं तो यह ध्यान रखें कि जिस अंश का आप चयन कर रहे हैं उसका रूपांतरण नियत शब्दों में हो सके। इसी प्रकार, आपको लगभग एक हज़ार शब्दों में अनुवाद–रूपांतरण की प्रक्रिया पर टिप्पणी भी लिखनी होगी**। यह टिप्पणी, रूपांतरित पाठ के साथ परियोजना कार्य का ही एक अंग बनेगी। परियोजना कार्य हस्तलिखित अथवा टंकित रूप में प्रस्तुत करना होगा।

अनुवाद–रूपांतरण की प्रक्रिया पर टिप्पणी के अंतर्गत इस मार्गदर्शिका के भाग–3 में दिए गए विभिन्न बिंदुओं के आधार पर अपने अनुभवों का सोदाहरण विवेचन–विश्लेषण करना होगा। आपके द्वारा किए गए

रूपांतरण कार्य और अनुवाद–रूपांतरण की प्रक्रिया पर टिप्पणी को आधार मानकर आपके परियोजना कार्य का मूल्यांकन किया जाएगा। अनुवाद–रूपांतरण की प्रक्रिया पर टिप्पणी लक्ष्य भाषा (target language, अर्थात वह भाषा जिसमें आप अनुवाद कार्य कर रहे हैं) में लिखनी होगी। इसलिए पाठ का चयन कर परियोजना प्रस्ताव भेजते समय यह ध्यान रखें कि जिस भाषा में आप सहजता से रूपांतरण कर सकें, उसी भाषा का लक्ष्य भाषा के रूप में चयन करें।

2. परियोजना कार्य का कार्यान्वयन : विभिन्न चरण

जैसा कि बताया जा चुका है कि 'अनुवाद एवं रूपांतरण में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र' (पी.जी.सी.ए.आर) कार्यक्रम को पूरा करने के लिए आपको चार–चार क्रेडिट के तीन पाठ्यक्रम और एक परियोजना कार्य करना होगा। कार्यक्रम का चौथा पाठ्यक्रम (एम.टी.टी.पी–003) 'अनुवाद–रूपांतरण परियोजना' है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को पाठ रूपांतरण करना तथा एक अनुवाद–रूपांतरण की प्रक्रिया पर टिप्पणी लिखनी होगी। इसके लिए, सबसे पहले कार्यक्रम में प्रत्येक विद्यार्थी को अनुवाद–रूपांतरण के लिए पाठ का चयन कर परियोजना प्रस्ताव का अनुमोदन प्राप्त करना होगा। उसके पश्चात चयनित एवं अनुमोदित पाठ का अनुवाद–रूपांतरण और उसपर अनुवादकीय टिप्पणी लिखकर अपनी अनुवाद–रूपांतरण परियोजना (प्रोजेक्ट) पूरी करनी होती है। अभिप्राय यह है कि इस पाठ्यक्रम के लिए आपको निम्नलिखित कार्य करने होंगे :

(1) सामग्री का चयन करके विद्यापीठ में अनुमोदन के लिए भेजना। ध्यान रखें कि इसी सामग्री के आधार पर आपको लगभग 3 से 4 हज़ार शब्दों का रूपांतरित पाठ तैयार करना है।

(2) चयनित पाठ का अनुमोदन होने पर उसका अनुवाद और रूपांतरण करना;

(3) अनुवाद और रूपांतरण संबंधी अपने अनुभवों के आधार पर लगभग एक हज़ार शब्दों में अनुवादकीय टिप्पणी लिखना; और

(4) अनूदित एवं रूपांतरित पाठ और अनुवादकीय टिप्पणी को मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत करना।

इन सभी कार्यों के आलोक में परियोजना कार्य को विभिन्न चरणों और उस दौरान की जाने वाली अपेक्षित कार्रवाई के संदर्भ में विभाजित करके देखा जा सकता है :

2.1 पहला चरण : परियोजना प्रस्ताव का निर्माण और प्रस्तुति

आपका परियोजना प्रस्ताव, एक प्रकार से आपके परियोजना कार्य को पूरा करने की दिशा में पहला कदम है। इसके अंतर्गत आपको उपयुक्त पाठ का चयन कर उसके लिए समुचित शीर्षक तैयार करना होगा। आपके द्वारा चयनित पाठ आपकी रुचि और भाषा की क्षमता, संसाधनों की सुलभता तथा निर्धारित समय–सीमा में कार्य पूरा करने की संभावना पर निर्भर करता है। आपको यह भी ध्यान रखना होगा कि आपके द्वारा चयनित पाठ व्यावहारिक अनुवाद के विस्तृत आयाम में प्रासंगिक और उपादेय हो ताकि परियोजना कार्य के उद्देश्यों की पूर्ति हो सके।

परियोजना कार्य के लिए पाठ–चयन से संबंधित निर्धारक बिंदु

अनुवाद एवं रूपांतरण में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.ए.आर.) कार्यक्रम अपने विद्यार्थियों को अनुवाद के साथ–साथ पाठ के रूपांतरण में दक्ष करने का एक प्रयास है। इस कार्यक्रम के माध्यम से हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को रोज़गार के विभिन्न क्षेत्रों के लिए प्रशिक्षण देना है। अतः कार्यक्रम के परियोजना कार्य की परिकल्पना तैयार करते समय इस ओर विशेष रूप से ध्यान दिया गया। अनुवाद प्रशिक्षण के माध्यम से

विद्यार्थियों को बेहतर अनुवाद करने का प्रशिक्षण दिया जाता है जबकि प्रस्तुत कार्यक्रम के माध्यम से हमारा प्रयास विद्यार्थियों को अनुवाद के साथ–साथ रूपांतरण में प्रशिक्षण देना भी है। इसे ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को विषय–चयन पर भी विशेष ध्यान देना होगा।

रूपांतरण के अंतर्गत हमारी अपेक्षा है कि विद्यार्थी किसी लिखित पाठ का चयन करें। यह पाठ साहित्य, विज्ञान, संस्कृति, मीडिया जैसे किसी भी क्षेत्र से हो सकता है। विद्यार्थी को पाठ का चयन करते समय यह ध्यान रखना होगा कि वह पाठ अंग्रेजी अथवा हिंदी में मौलिक लेखन हो अथवा अंग्रेजी या हिंदी में अनूदित हो। आप यह ध्यान रखें कि चयनित पाठ यदि विद्यापीठ के द्वारा अनुमोदित हो जाता है तो आपको अध्ययन के दौरान सीखे एवं अनुभव किए गए ज्ञान के आधार पर उस चयनित पाठ का मूल पाठ से इतर भाषा (यानी लक्ष्य भाषा) में रूपांतरण करना होगा। यहां यह विशेष रूप से ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है कि रूपांतरण का अर्थ केवल अनुवाद नहीं है। अर्थात अनुवादक को चयनित पाठ का केवल अनुवाद नहीं करना है बल्कि उसे रूपांतरित करना है। उदाहरण के लिए, यदि आप किसी प्रसिद्ध रचनाकार की किसी रचना का चयन करते हैं तो आपको उसे लक्ष्यभाषा में साहित्य की किसी अन्य विधा जैसे – नाटक, लघुकथा, कहानी आदि में रूपांतरित करना होगा। ठीक इसी तरह, यदि आप उपन्यास के किसी अंश का चयन करते हैं तो उसपर लक्ष्य भाषा में नाटक, फिल्म, टेलीविज़न, रेडियो आदि के लिए स्क्रिप्ट अर्थात पटकथा लेखन भी कर सकते हैं।

रूपांतरण के लिए आवश्यक नहीं कि आप कथा के लिए केवल साहित्य की ओर ही उन्मुख हों। आप कथा अथवा कंटेंट का चयन कहीं से भी करते हैं। यही आपकी सृजनात्मकता का परीक्षण है। उदाहरण के रूप में, आप चाहें तो परियोजना कार्य के लिए सामग्री (कंटेंट) का चयन विज्ञान, प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी आदि जैसे सूचना प्रधान विषयों से भी कर सकते हैं। विज्ञान कथा साहित्य (साइंस फिक्शन) ऐसी ही सृजनात्मकता के प्रमाण हैं।

कृपया ध्यान दें : इस परियोजना कार्य को करने के संबंध में, यहाँ पर हम आपका ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहते हैं कि इस अध्ययन कार्यक्रम में 'रूपांतरण' की अवधारणा के संदर्भ में आपको यह अध्ययन कराया गया है कि इसके अंतर्गत (1) भाषा से लेकर विधा अथवा प्रस्तुति तक के रूपांतरण को महत्व दिया जाता है। इस तरह आपको स्पष्ट ही होगा कि किसी भी भाषा के पाठ का उसी अथवा दूसरी भाषा में रूपांतरण किया जा सकता है। इसी प्रकार, आप यह भी जानते हैं कि (2) किसी एक विधा अथवा प्रस्तुति विषयक पाठ को दूसरी विधा या प्रस्तुति में भी रूपांतरित किया जा सकता है। **आप अपने इस परियोजना कार्य को इन दोनों संदर्भों में मूर्त रूप दे सकते हैं, लेकिन आपके इस कार्यक्रम में आपको मूल भाषा व लक्ष्य भाषा में अंतर रखना होगा।** कहने का अभिप्राय यह है कि यदि आप कंटेंट अंग्रेजी से लेते हैं तो आपको रूपांतरण हिंदी में करना होगा और यदि हिंदी से कंटेंट ग्रहण करते हैं तो उसका रूपांतरण अंग्रेजी में करना होगा। पहले ही स्पष्ट किया जा चुका है कि विभिन्न भाषाओं से अंग्रेजी/हिंदी में अनूदित सामग्री को इस परियोजना कार्य के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

परियोजना प्रस्ताव तैयार करते समय निम्नलिखित बिंदुओं के क्रम में ब्यौरे दिए जाएँ :

1. प्रस्तावित चयनित पाठ का शीर्षक
2. चयनित पाठ की प्रकृति
3. अनुवाद–रूपांतरण की पद्धति/प्रक्रिया/रणनीति/कार्यनीति
4. अनुवाद–रूपांतरण के दौरान प्रयुक्त किए जाने वाले साधन–उपकरण (शब्दकोश आदि)

आपको सलाह दी जाती है कि आप स्रोत और लक्ष्य भाषा में अपनी क्षमता और दक्षता के साथ–साथ विषय–वस्तु के प्रति अपनी अभिरुचि को ध्यान में रखकर ही पाठ का चयन करें।

- पाठ का चयन और तत्संबंधी प्रस्ताव भेजने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि आपके द्वारा चयनित सामग्री का रूपांतरण पहले न हुआ हो। परियोजना प्रस्ताव के साथ आपको इस आशय का एक प्रमाण–पत्र अवश्य लगाना होगा जिसमें आपके अपने हस्ताक्षर सहित यह प्रमाणित किया गया हो कि आपके द्वारा चयनित सामग्री का रूपांतरण पहले नहीं हुआ है। इसके लिए अनुलग्नक 'क' को भरें।
- कृपया ध्यान दें कि आपको परियोजना प्रस्ताव स्वयं तैयार करना है। यह **कार्य अध्ययन केंद्र के किसी शैक्षिक परामर्शदाता के मार्गदर्शन में नहीं किया होना चाहिए। यह भी ध्यान रखें कि इन्हें अध्ययन केंद्र के समन्वयक से अग्रेषित** (Forward) **करवाने की भी आवश्यकता नहीं है। यानी परियोजना प्रस्ताव को सीधे ही अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ को भेजना होगा।**
- परियोजना प्रस्ताव की प्रस्तुति के लिए इस मार्गदर्शिका में दिए गए निर्धारित फॉर्मों (परिशिष्टों) का प्रयोग करें और सावधानीपूर्वक पूरी जानकारी स्पष्ट अक्षरों में देते हुए उसे निम्नलिखित पते पर स्वीकृति के लिए भेज दें। लिफाफे पर परियोजना कार्य प्रस्ताव अवश्य अंकित करें।

कार्यक्रम समन्वयक, पी.जी.सी.ए.आर. कार्यक्रम
अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ
ब्लॉक 15–सी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय
मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी
नई दिल्ली–110 068.

Programme Coordinator, PGCAR Programme
School of Translation Studies and Training
Block 15, Indira Gandhi National
Open University, Maidan Garhi
New Delhi 110068

परियोजना प्रस्ताव की स्वीकृति/अस्वीकृति अथवा संशोधन हेतु सुझाव, अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ के द्वारा दिया जाएगा। इसके पश्चात ही आप अनुवाद–रूपांतरण संबंधी परियोजना कार्य पर काम करना शुरू करें। कृपया निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान दें :

- अगर आपका परियोजना प्रस्ताव अस्वीकृत किया जाता है तो आपको नया परियोजना प्रस्ताव जमा कराना होगा।
- अगर आपके परियोजना प्रस्ताव में संशोधन के लिए सुझाव दिया जाएगा तो आपको दिए गए सुझावों/टिप्पणियों के अनुसार आवश्यक परिवर्तन करके प्रस्ताव को फिर से प्रस्तुत करना पड़ सकता है।

परियोजना प्रस्ताव भेजते समय निम्नलिखित बिंदुओं पर अवश्य ध्यान दीजिए :

- अपने परियोजना प्रस्ताव की एक प्रति अपने पास संभालकर अवश्य रखें क्योंकि विद्यापीठ से केवल परियोजना प्रस्ताव की स्वीकृति/अस्वीकृति/संशोधन की सूचना ही दी जाएगी।
- अपने परियोजना प्रस्ताव को पंजीकृत डाक से भेजें ताकि वह निर्धारित समय में निश्चित रूप से विद्यापीठ में पहुँच जाए।
- जिस शीर्षक से परियोजना प्रस्ताव स्वीकृत हुआ हो, उसमें किंचित परिवर्तन भी न करें अर्थात अनुमोदित परियोजना शीर्षक ही अंतिम शीर्षक होगा।
- अनुलग्नक 'क' में अपेक्षित जानकारी (जैसे अपना नाम, पाठ्यक्रम कोड, नामांकन संख्या, अध्ययन केंद्र का नाम और कोड; तथा क्षेत्रीय केंद्र के नाम और कोड) स्पष्ट अक्षरों में प्रथम पृष्ठ पर अवश्य प्रदान

करें ताकि आपको सूचना भेजने में आसानी रहे। अपना फोन, मोबाइल नंबर और ई–मेल का उल्लेख करना न भूलें।

परियोजना प्रस्ताव की स्वीकृति संबंधी पत्र अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ के द्वारा जारी किया जाएगा। उसे संभालकर रखें और अपने परियोजना कार्य को जमा करवाते समय साथ में संलग्न करें। प्रस्ताव की स्वीकृति के पश्चात ही आप अनुवाद–रूपांतरण संबंधी परियोजना कार्य पर काम करना शुरू करें।

2.2 दूसरा चरण : अनुमोदित परियोजना कार्य का कार्यान्वयन

चयनित पाठ के स्वीकृत होने के पश्चात आपको अनुवाद परियोजना कार्य को कार्यान्वित करना है यानी उसपर काम शुरू करना है। इस संदर्भ में आपको (क) अनुमोदित पाठ का अनुवाद–रूपांतरण करना होगा; और (ख) अनुवादकीय टिप्पणी लिखनी होगी।

(क) अनुवाद–रूपांतरण कार्य करने का तरीका

यह अनुवाद आपको स्वयं और ईमानदारीपूर्वक करना है। परियोजना वास्तव में आपके अनुवाद एवं रूपांतरण का अभ्यास और परीक्षा दोनों ही है। अतः इसमें किया गया परिश्रम और ईमानदारी आपके अनुवाद और रूपांतरण कौशल विकास में अत्यंत उपयोगी होगा। इस कार्य को शुरू करने से पहले संबंधित पाठ को ध्यानपूर्वक पढ़ें। इसके बाद आप इस सामग्री में से उन शब्दों और मुहावरों आदि को छाँटिए जिनका अर्थ अथवा जिनके हिंदी पर्याय आपको पता नहीं हैं। इन शब्दों को एक कागज़ पर नोट कर लीजिए। छाँटे गए शब्दों के आधार पर यह ध्यान दीजिए कि अनूद्य सामग्री का अनुवाद करते समय आपको कौन–कौन से कोश देखने की जरूरत है। **आप कोशों की सूची भी बना लें और जमा कराई जा रही परियोजना के अंत में उस सूची को भी दें।** विषय के अनुरूप समुचित कोशों में से उन शब्दों के पर्याय नोट कर लीजिए।

अब अनूद्य सामग्री को एक बार पुनः पढ़िए। गौर कीजिए कि अब की बार यह आपको ज्यादा अच्छी तरह समझ आती है कि नहीं। यदि कोई अंश समझ में न आ रहा हो तो उसे फिर से पढ़िए और पता लगाइए कि कठिनाई कहाँ है – शब्दों का अर्थ समझने में अथवा वाक्य–विन्यास को समझने में। यदि कोई वाक्य समझ न आ रहा हो तो उसे दूसरी बार, तीसरी बार पढ़िए।

आप जानते ही हैं कि अनुवाद करते समय अनुवादक विभिन्न युक्तियों को अपनाते हैं। इन्हें अपनाते समय **जिन शब्दों आदि का अनुवाद करने में आपको कठिनाई अनुभव हुई हो, उन्हें आपने अपने अनुवाद में (i) यथावत ग्रहण** (adoption/borrowing) **किया हो, (ii) उनका अनुकूलन (adaptation) किया हो, (iii) उनका प्रतिस्थापन (substitution) किया हो; या फिर (iv) 'परित्याग' (deletion) जैसे विकल्प को अपनाया हो तो उन्हें अलग से नोट कर लें। इसी प्रकार, यदि आपने कोशों आदि में अनुपलब्ध किन्हीं शब्दों के लिए (v) 'शाब्दिक अनुवाद' (word for word translation); या फिर (vi) 'भावानुवाद' (paraphrase) का सहारा लिया है तो उन्हें भी अलग से नोट कर लें। इसके अलावा, आवश्यकता के अनुसार अनुवादक कभी–कभी अनूदित पाठ में (vii) 'अनुवादकीय टिप्पणी का समावेश' (Inclusion of Translator's note) भी करते हैं। यदि आपने भी ऐसा ही किया हो तो उन्हें भी अलग नोट कर लें।**

इस तरह अनूद्य सामग्री का अर्थ भली–भाँति समझ लेने के पश्चात उसका अनुवाद–रूपांतरण आरंभ कीजिए। रूपांतरण करते समय भी उपयुक्त शब्दकोशों का भरपूर उपयोग कीजिए। जिन शब्दों के अर्थ आपको पता हैं उनके लिए भी शब्दकोश देखिए ताकि आप विषय और संदर्भ के अनुकूल पर्यायों का चयन कर सकें। **जिन शब्दों के पर्याय आपको नहीं मिले हैं और मूल के अर्थ को ध्यान में रखते हुए आपने यदि नए शब्द गढ़े (coin) हैं तो उन्हें अलग से लिख लें और 'अनुवादकीय टिप्पणी' में उनका भी जिक्र करें।**

वाक्य–विन्यास लक्ष्य भाषा की प्रकृति के अनुसार कीजिए। यानी आपका बनाया वाक्य ऐसा लगे कि आप अनुवाद नहीं कर रहे बल्कि उस भाषा में मूल रूप में लिख रहे हैं। ऐसा तभी होगा जब आपकी वाक्य–रचना स्रोत में कही गई बात का अनुकरण न होकर लक्ष्य भाषा की कथन–शैली के अनुरूप और सहज होगी।

चूंकि आप अनुमोदित पाठ का दूसरी भाषा में रूपांतरण कर रहे हैं इसलिए यह आवश्यक नहीं कि आप पहले मूल पाठ का अनुवाद करें। आप अपनी सुविधा के अनुसार ये दोनों साथ–साथ भी कर सकते हैं। आप चाहें तो पहले अपनी सुविधा के लिए अनुवाद कर लीजिए अथवा मूल पाठ को पढ़ते समय ही एक अलग कागज़ पर एक रूपरेखा बना लीजिए। इसके अंतर्गत आप किस विधा में रूपांतरण करना चाहते हैं, कठिन शब्दों व मुहावरों के अर्थ, अनुवादकीय टिप्पणी संबंधी ज़रूरी बिंदु आदि को नोट कर सकते हैं। अब अनूदित पाठ का पुनः अध्ययन कीजिए। आपके पास अब एक ऐसा पाठ उपलब्ध है जिसका आपको रूपांतरण करना है यानी एक विधा से दूसरी विधा में अंतरण। तय कीजिए कि आप इसका रूपांतरण किस प्रकार करना चाहते हैं। रूपांतरण में पुनःसृजन की संभावना रहती है। आप यहां केवल अनुवादक नहीं हैं। आपको उपलब्ध पाठ को पढ़कर उसपर एक नया पाठ निर्मित करना है। यह विधांतरण भी हो सकता है, पटकथा लेखन भी और अनुसृजन भी।

कृपया ध्यान दें : प्रस्तुत परियोजना कार्य में आपसे यह अपेक्षा नहीं की जाती कि आप रूपांतरण हेतु किए गए अनुवाद कार्य को भी संलग्न करें। आप चयनित पाठ का अध्ययन करते हुए सीधे ही रूपांतरण कर सकते हैं अथवा अपनी सुविधा के लिए अनुवाद का एक खाका तैयार कर सकते हैं। किंतु परियोजना कार्य में आपको चयनित पाठ के आधार पर किए गए रूपांतरण व अनुवाद–रूपांतरण की प्रक्रिया पर टिप्पणी ही प्रस्तुत करनी है। उदाहरण के लिए, यदि आप किसी अंग्रेजी/हिंदी उपन्यास के एक अंश के आधार पर एक कहानी अथवा पटकथा रूपांतरण करना चाहते हैं तो यह आप पर निर्भर करता है कि पहले आप उस कहानी का अपने लिए अनुवाद करें अथवा सीधे हिंदी/अंग्रेजी भाषा में रूपांतरण करें। परियोजना कार्य के अंतर्गत आपको हिंदी/अंग्रेजी में रूपांतरित पाठ व टिप्पणी ही प्रस्तुत करनी है।

नया पाठ अथवा रूपांतरित पाठ तैयार हो जाने पर उसका अध्ययन कीजिए और देखिए कि क्या वह पूरी तरह संप्रेषणीय और प्रभावोत्पादक है। आपके द्वारा तैयार किए गए पाठ का वाक्य–विन्यास लक्ष्य भाषा की प्रकृति के अनुसार होना चाहिए। यानी आपका बनाया वाक्य ऐसा लगना चाहिए कि वह अनूदित न होकर उस भाषा में मूल रूप में लिखा गया है। ऐसा तभी होगा जब आपकी वाक्य–रचना स्रोत भाषा में कही गई बात का अनुकरण न होकर लक्ष्य भाषा की कथन–शैली के अनुरूप और सहज होगी। किसी भी तरह की त्रुटि पाए जाने पर उसका यथासंभव संशोधन कीजिए। यह इस प्रक्रिया का अंतिम चरण है।

(ख) अनुवाद–रूपांतरण की प्रक्रिया पर टिप्पणी

आपको परियोजना के अनुवाद के साथ–साथ लगभग 1000 शब्दों की एक 'अनुवादकीय टिप्पणी' भी लिखकर जमा करानी होगी। इस अनुवादकीय टिप्पणी में आपको इस कार्य करने के दौरान हुए व्यावहारिक अनुभव को शब्दबद्ध करना है। 'अनुवादकीय टिप्पणी' में आप निम्नलिखित पक्षों पर अपने शब्दों में प्रकाश डालेंगे :

(i) अनुवाद कार्य में प्रयुक्त पद्धति (जिसके अंतर्गत शब्दानुवाद, भावानुवाद, पूर्ण अनुवाद, आंशिक अनुवाद, लिप्यंतरण, रूपांतरण, छायानुवाद, और अनुवाद में कुछ जोड़ना–छोड़ना आदि पक्षों पर अपने व्यावहारिक अनुभव का उल्लेख शामिल होगा);

(ii) रूपांतरण के लिए विधा–विशेष के चयन का कारण;

(iii) अनुवाद कार्य में प्रयुक्त उपकरणों (अर्थात आपने जिन कोशों का उपयोग किया हो, उन) का उल्लेख करना;

(iii) पाठ में सांस्कृतिक और तकनीकी कठिनाइयाँ; और

(iv) भाषिक और पाठपरक चुनौतियाँ आदि।

परियोजना कार्य का अनुवाद–रूपांतरण करने के दौरान आपने जिन बिंदुओं के आलोक में अलग से सामग्री नोट की है, उन्हें आप अपने मत–प्रस्तुति में इस अनुवाद–रूपांतरण की प्रक्रिया पर टिप्पणी में उदाहरणों के रूप में भी उद्धृत करें। इससे आपकी टिप्पणी सटीक एवं प्रभावी सिद्ध होगी।

कृपया ध्यान दें : अनुवाद–रूपांतरण परियोजना के साथ आपको अपने शब्दों में अनुवाद–रूपांतरण की प्रक्रिया पर टिप्पणी भी लिखकर एक–साथ भेजनी होगी। यदि आप परियोजना कार्य के साथ ही यह अनुवाद–रूपांतरण की प्रक्रिया पर टिप्पणी भी जमा नहीं कराएँगे तो मूल्यांकन के लिए आपकी परियोजना स्वीकार नहीं की जाएगी।

2.3 तीसरा चरण : अनुवाद–रूपांतरण परियोजना की मूल्यांकन हेतु प्रस्तुति

- अनुवाद–रूपांतरण परियोजना एवं अनुवाद–रूपांतरण की प्रक्रिया पर टिप्पणी फुलस्केप आकार के कागज पर पर्याप्त हाशिया छोड़ते हुए एक तरफ हाथ से लिख कर प्रस्तुत करें। अगर हस्तलिखित अनूदित परियोजना एवं टिप्पणी प्रस्तुत करना संभव न हो, तो आप उसे टंकित कराकर और बाइडिंग कराकर प्रस्तुत करें। **कृपया ध्यान दें कि टंकित प्रति की फोटोकॉपी स्वीकार नहीं की जाएगी।**

- अनुवाद–रूपांतरण परियोजना जमा कराने से पहले यह अवश्य जाँच लें कि टंकित प्रति में वर्तनी/टंकण संबंधी अशुद्धियाँ न हों। अशुद्धियों के कारण आपके अनुवाद–रूपांतरण परियोजना कार्य का समुचित मूल्यांकन होने में कठिनाई होगी।

- परियोजना कार्य के आरंभिक पृष्ठ पर आपके इस कार्यक्रम का शीर्षक, पाठ्यक्रम कोड और शीर्षक, नामांकन संख्या, नाम, पता, अध्ययन केंद्र का कोड लिखा होना चाहिए और अंत में आपके हस्ताक्षर एवं प्रस्तुति की तिथि का उल्लेख होना चाहिए। इसके लिए आप अनुलग्नक 'ख' देखिए।

- अनुवाद–रूपांतरण परियोजना के साथ एक प्रमाण–पत्र अवश्य लगाएँ जिसमें आपके अपने हस्ताक्षर सहित यह प्रमाणित किया गया हो कि आपने यह अनुवाद–रूपांतरण और टिप्पणी लेखन कार्य स्वयं किया है और इसके लिए किसी व्यक्ति की सहायता नहीं ली गई है। **अगर यह पाया जाता है कि आपने परियोजना कार्य स्वयं नहीं किया है या किसी अन्य विद्यार्थी के परियोजना कार्य की नकल की है तो विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार आपके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।**

- **कृपया ध्यान दें कि यह अनुवाद–रूपांतरण परियोजना कार्य अध्ययन केंद्र के किसी शैक्षिक परामर्शदाता के मार्गदर्शन में नहीं किया होना चाहिए। यह कार्य आपको स्वयं ही करना होगा।**

- मूल्यांकन के लिए अंतिम रूप से तैयार की गई अनुवाद–रूपांतरण परियोजना को (अनुवाद–रूपांतरण प्रक्रिया पर टिप्पणी सहित) सीधे ही विश्वविद्यालय में निम्नलिखित पते पर व्यक्तिगत रूप से अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भेजें :

कुलसचिव	Registrar
विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एस.ई.डी.)	Student Evaulation Division (SED)
ब्लॉक 12, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त	Block 12, Indira Gandhi National Open

विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी,
नई दिल्ली–110068

University, Maidan Garhi,
New Delhi-110068

- यदि विश्वविद्यालय अनुवाद–रूपांतरण परियोजना को ऑनलाइन जमा कराने की व्यवस्था करता है तो आप उसे ऑनलाइन भी जमा करा सकते हैं। इस संबंध में अद्यतन जानकारी प्राप्त करने के लिए इग्नू वेबसाइट देखें और उल्लिखित अंतिम तिथि तक अपनी अनुवाद परियोजना जमा कराएँ।
- अनुवाद–रूपांतरण परियोजना के रूप में प्रस्तुत अंतिम प्रति की एक प्रति (सॉफ्ट/हार्ड) अपने पास सुरक्षित रखें।

अनुवाद–रूपांतरण परियोजना प्रस्तुति की अंतिम तिथि

जनवरी में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थी अपनी परियोजना पूरी करके 31 मई से पहले और जुलाई में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थी अपनी परियोजना पूरी करके 30 नवंबर से पहले विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग को भेज दें। अनुवाद–रूपांतरण परियोजना **कार्य जमा कराने की तिथि विश्वविद्यालय द्वारा बढ़ाई/परिवर्तित की जा सकती है। इसलिए अनुवाद–रूपांतरण परियोजना जमा कराने की अंतिम तिथि संबंधी अद्यतन जानकारी प्राप्त करने के लिए कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखें और अपेक्षित कार्रवाई करें।** अंतिम तिथि के बाद भेजी गई परियोजना भी स्वीकार की जाएगी, किंतु उस स्थिति में उसका मूल्यांकन विलंब से होगा और विद्यार्थी अपने अध्ययन कार्यक्रम को देर से पूरा कर सकेंगे।

मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत अनुवाद–रूपांतरण परियोजना की एक फोटोप्रति तैयार करवाकर अपने पास अवश्य रखें। विश्वविद्यालय में जमा कराई प्रति लौटाई नहीं जाएगी।

3. अनुवाद–रूपांतरण परियोजना कार्य का प्रस्तुति–क्रम

अनुवाद–रूपांतरण परियोजना कार्य को संपन्न करने के बाद आप यह ध्यान रखें कि विभिन्न सामग्रियों को निम्नलिखित क्रम में प्रस्तुत करें :

(क) अनुवाद–रूपांतरण परियोजना प्रस्ताव प्रोफॉर्मा और स्वीकृति के उपरांत आपको भेजा गया अनुमोदन पत्र

(ख) अनुवाद–रूपांतरण परियोजना कार्य की मौलिकता (अनुवाद–रूपांतरण और अनुवाद–रूपांतरण प्रक्रिया पर टिप्पणी लेखन कार्य स्वयं करने संबंधी प्रमाण–पत्र) का स्व–हस्ताक्षरित प्रोफॉर्मा

(घ) चयनित एवं अनुमोदित पाठ का 3–4 हज़ार शब्दों में अनुवाद–रूपांतरण

(ङ) अपने अनुवाद–रूपांतरण संबंधी अनुभव के आधार पर आपके द्वारा लगभग 1000 शब्दों में सोदाहरण लिखी टिप्पणी

(च) अनुवाद–रूपांतरण परियोजना के लिए चयनित पाठ की सुपाठ्य प्रति (मूल अथवा फोटोकॉपी)

मूल्यांकन के लिए अंतिम रूप से तैयार की गई अनुवाद–रूपांतरण परियोजना (अनुवाद–रूपांतरण प्रक्रिया पर टिप्पणी सहित) को अनुलग्नकों के साथ सीधे ही विश्वविद्यालय में निम्नलिखित पते पर व्यक्तिगत रूप से अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भेजें :

कुलसचिव
विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एस.ई.डी.)

Registrar
Student Evaulation Division (SED)

4. अनुवाद–रूपांतरण परियोजना मूल्यांकन

विश्वविद्यालय का विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, जमा कराए गए परियोजना कार्य का मूल्यांकन करवाएगा। आप यह ध्यानपूर्वक जान लें कि परियोजना कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है। परियोजना कार्य को मूल्यांकन हेतु विश्वविद्यालय में प्रस्तुत करने के उपरांत कम से कम दो–तीन महीनों का समय मूल्यांकन के लिए लग सकता है।

परियोजना कार्य 'अनुवाद एवं रूपांतरण में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र' कार्यक्रम का अभिन्न अंग है और इसके निर्धारित अंक 100 हैं।

परियोजना कार्य के मूल्यांकन के संबंध में निम्नलिखित बिंदुओं पर भी ध्यान दें :

- अनुवाद–रूपांतरण परियोजना कार्य आपका मौलिक कार्य होना चाहिए।
- आप किसी मुद्रित अथवा अमुद्रित परियोजना की प्रस्तुति या उसकी नकल से बचें, अन्यथा आपका परियोजना कार्य निरस्त कर दिया जाएगा।
- अनुवाद–रूपांतरण प्रक्रिया पर टिप्पणी में अपने अनुवाद कार्य संबंधी अनुभवों को उपयुक्त उदाहरणों के साथ पुष्ट करें और प्रयुक्त किए गए साधन–उपकरणों (शब्दकोशों आदि) का उल्लेख करें।
- परियोजना कार्य में प्रदत्त जानकारियों को क्रमवार तर्कसंगत रूप में प्रस्तुत करें।
- परियोजना कार्य के लिए अपनाई गई अनुवाद–रूपांतरण संबंधी युक्तियों/पद्धतियों/रणनीति आदि का अनुवाद–रूपांतरण प्रक्रिया पर टिप्पणी में स्पष्ट रूप से उल्लेख करें।

मूल्यांकन के पश्चात यदि आपको परियोजना कार्य में 40 प्रतिशत से कम प्राप्तांक होते हैं तो आपको मूल्यांकन की टिप्पणियों को ध्यान में रखते परियोजना कार्य पुनः प्रस्तुत करना होगा। उस स्थिति में आपको निम्नलिखित चरणों से गुजरना होगा :

- मूल्यांकन की टिप्पणियों के आलोक में अपना परियोजना कार्य हेतु पुनः प्रस्ताव प्रस्तुत करना और अनुमोदन के उपरांत उसे संपन्न करना।
- अनुलग्नक 'ख' और 'ग' पुनः संलग्न करना।
- परियोजना कार्य के साथ निर्धारित शुल्क। (कार्यक्रम शुल्क का आनुपातिक हिस्सा)

पूर्ण रूप से तैयार अनुवाद–रूपांतरण परियोजना कार्य को फिर से मूल्यांकन के लिए कुलसचिव, विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एस.ई.डी.), ब्लॉक 12, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068 को भेजना होगा।

ANNEXURE-क

अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ
School of Translation Studies and Training

अनुवाद–रूपांतरण परियोजना प्रस्ताव प्रोफॉर्मा और प्रमाणपत्र
TRANSLATION-ADAPTATION PROJECT PROPOSAL PROFORMA & CERTIFICATE

(Candidate's information)

Name : …….…….. Enrolement No. ……

Programme : **Anuvaad evam Rupantaran mein Snatakottar Pramanpatra (PGCAR)**

Course Code **: MTTP-003**

Address : …….

Mobile No. : …… **E-mail : …….**

Regional Centre : …… **Study Centre : …….**

Title of the Project : ……...…….
(Enclose the proposal/synopsis of the Project)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि अनुवाद–रूपांतरण कार्य परियोजना के अंतर्गत मैंने जिस सामग्री का रूपांतरण के लिए चयन किया है, उसका रूपांतरण पहले नहीं हुआ है।

(विद्यार्थी के हस्ताक्षर)

ANNEXURE-ख

अनुवाद अध्ययन एवं प्रशिक्षण विद्यापीठ
School of Translation Studies and Training

अनुवाद–रूपांतरण परियोजना का प्रथम पृष्ठ
Front Page of the Translation-Adaptation Project

Programme Title : **Anuvaad evam Rupantaran mein Snatakottar Pramanpatra (PGCAR)**

Course Code : MTTP-003 (Pariyojna Karya)

Enrolment No. : _____

Study Centre Code : _____

Regional Centre : _____

TOPIC OF THE TRANSLATION-ADAPTATION PROJECT

……

……

Translation-Adaptation Project submitted to Indira Gandhi National Open University in partial fulfillment of the requirements for the award of '*Anuvaad evam Rupantaran mein Snatakottar Pramanpatra (PGCAR)*'.

Sign. of the Candidate : ……

Name of the Candidate: ……

Address: ……

……

Year : ……

ANNEXURE-ग

प्रमाण–पत्र
CERTIFICATE

प्रमाणित किया जाता है कि एम.टी.टी.पी.–003 पाठ्यक्रम के एक अंग के रूप में मूल्यांकन के लिए प्रस्तुत (अनुमोदित अनुवाद–रूपांतरण परियोजना का शीर्षक) .....
.....
..... अनुवाद–रूपांतरण कार्य और अनुवाद–रूपांतरण प्रक्रिया पर टिप्पणी लेखन कार्य मैंने स्वयं किया/पुनः किया* है और इसके लिए मैंने किसी व्यक्ति की सहायता नहीं ली है।

(हस्ताक्षर)

विद्यार्थी का नाम : .....

नामांकन संख्या : .....

पता : .....

.....

अध्ययन केंद्र : .....

क्षेत्रीय केंद्र : .....

दिनांक : .....

*जो आप पर लागू न हो, उसे काट दें।